[A-11] No. of printed pages : 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY
B.A. (III Semester) Examination
2014
Friday, 28th November
10.30 am - 1.30 pm
UA03CHLT05 - Hindi Paper V
(हिन्दी कविता)

कुल गुण : ७०

सूचना : हिन्दी में शिरोरेखा लगाना अनिवार्य है ।

प्र.१ सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (**किन्हीं तीन**) (१५)

(त) 'चारू चन्द्र की चंचल किरणें
खेल रही है जल-थल में,
स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है
अवनी और अम्बर-तल में ।
पुलक प्रकट करती है धरती
हरित तृणों की नोकों से,
मानो झूम रहे हैं तरु भी
मन्द पवन के झोंकों से ।।'

(थ) 'सम्राट स्वयं प्राणेश, सचिव देवर हैं,
देते आकर आशीष हमें मुनिवर हैं ।
धन तुच्छ यहाँ-यद्यपि असंख्य आकर हैं,
पानी पीते मृग-सिंह एक तट पर हैं ।
सीता रानी को यहाँ लाभ ही लाया,
मेरी कुटिया में राज-भवन मन भाया ।'

(द) 'अरुण यह मधुमय देश हमारा-
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा ।
सरस तामरस-गर्भ-विभा पर नाच रही तरुशिखा मनोहर
छिटका जीवन - हरियाली पर मंगल कुंकुम सारा ।'

(ध) 'झूम-झूम मृदु गरज-गरज घन घोर ।
राग अमर ! अम्बर में भर निज रोर ।
झर-झर-झर निर्झर-गिरि-सर में,
सरित-तड़ित-गति-चकित पवन में,
मन में विजन-गहन-कानन में,
आनन-आनन में, रव घोर कठोर-
राग-अम्बर ! अम्बर में भर निज रोर ।'

(न) 'लोल लहरियाँ डोल रही हैं,
भ्रू-विलास-रस घोल रही हैं,

इंगित ही में बोल रही हैं,

मुखरित कूल-किनारा ।

सखि, निरख नदी की धारा ।'

प्र.२ मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना का निरूपण हुआ है- स्पष्ट कीजिए । (२०)

अथवा

प्र.२ टिप्पणी लिखिए :

(अ) 'स्नेह निर्झर बह गया' कविता का मर्म ।

(आ) 'जुही की कली' कविता का मूल भाव ।

प्र.३ प्रसाद प्रेम और सौंदर्य के कवि हैं - सिद्ध कीजिए । (२०)

अथवा

प्र.३ टिप्पणी लिखिए :

(क) 'बादल राग-१' कविता का मूल भाव ।

(ख) 'चारू चन्द्र की चंचल किरणें' कविता का भावार्थ ।

प्र.४ निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षेप में उत्तर लिखिए । (**किन्हीं पंद्रह**) (१५)

१) प्रसादजी की चार काव्य कृतियों के नाम लिखिए ।

२) निरालाजी का नाम सूर्यकान्त क्यों रखा गया है ?

३) प्रसादजी के काव्य की चार विशेषताएँ लिखिए ।

४) गुप्तजी ने किस से प्रभावित होकर 'साकेत' की रचना की ?

५) 'चारू चन्द्र की चंचल किरणें' कविता किस काव्यकृति से ली गई है ?

६) 'अरुण मधुमय देश हमारा' कविता किस नाटक से ली गई है ।

७) मैथिलीशरण गुप्त जी की चार काव्य कृतियों के नाम लिखिए ।

८) छायावादी काव्यधारा के प्रमुख चार कवियों के नाम लिखिए ।

९) निरालाजी की चार काव्य कृतियों के नाम लिखिए ।

१०) निरालाजी छायावादी काव्यधारा के अलावा दूसरी कौन-सी धारा के कवि माने जाते हैं ?

११) मैथिलीशरण गुप्तजी का जन्म स्थान लिखिए ।

१२) 'सखि, निरख नदी की धारा' कविता के कवि का नाम लिखिए ।

१३) निरालाजी किससे ज्यादा प्रभावित थे ?

१४) 'बादल राग-१' कविता छायावादी है या प्रगतिवादी ?

१५) २८ फरवरी १८९९ ई. में महिषादल में किस कवि का जन्म हुआ था ?

१६) 'साकेत' पर मंगलाप्रसाद पुरस्कार किस कवि को प्रदान किया गया ?

१७) 'झूम झूम मृदु गरज-गरज घनघोर । राग-अमर - अम्बर में भर निज रोर ।' - किस कविता की पंक्ति है ?

१८) सूर्यकान्त त्रिपाठी की मृत्यु कब और कहाँ हुई थी ?

☺☺☺☺☺